सीएम ने किया वेबपोर्टल का लोकार्पण, मानसरोवर और सिंधुयात्रा के अनुदान चेक बांटे

सब्सिडी से लेकर पूजा तक ऑनलाइन

Photos: Sandeep Rastogi

■ एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ

धार्मिक यात्राओं की सब्सिडी लेने के लिए अब विभागों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। सब्सिडी का फॉर्म ऑनलाइन भरा जा सकेगा। यही नहीं धार्मिक यात्राओं से जुड़ी जानकारियां और यहां तक कि काशी विश्वनाथ में पूजा और दान के लिए भी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकेगा। ये सारी सुविधाएं मिलेंगी www.updharmarthkarya.in पर। धर्मार्थ कार्य विभाग की ऑनलाइन सेवाओं के इस वेबपोर्टल का लोकार्पण मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया। अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कैलाश मानसरोवर यात्रा और सिंधु यात्रा के श्रद्धालुओं को अनुदान का चेक भी दिए। दोनों यात्राओं के लिए सरकार क्रमशः 1 लाख और 10 हजार रुपये की सब्सिडी देती है।

धार्मिक यात्राओं में कम हो सरकारी निर्भरता : योगी

कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि धार्मिक यात्राओं एवं सामाजिक अनुष्ठानों के लिए सरकारी अनुदानों पर निर्भरता कम होनी चाहिए। इसके लिए समाज को आगे आना चाहिए। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए अनुदान इसलिए बढ़ाया गया है, जिससे भारत भूमि से कैलाश के अटूट संबंध और भारतीय के दर्शन के अधिकार को बनाए रखा जा सके। धार्मिक यात्राएं पर्यटन के साथ देश की सांस्कृतिक एकता की भी परिचायक हैं। जब श्रद्धालु देश के एक कोने से जल लेकर दूसरे कोने जाकर जलाभिषेक करता है तो दोनों स्थानों के सांस्कृतिक संबंध को भी मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि अगर चीन बाधा नहीं बनता तो कैलाश मानसरोवर में भी 21 दिन के बजाय दो दिन में पहुंचने की सुविधाएं दी जा सकती थीं। धर्मार्थ कार्यमंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने भी सीएम की तारीफ करते हुए अनुदान को योगी का प्रसाद बताया। उन्होंने कहा कि योगी के आशीर्वाद से ही कैलाश यात्रा पूरी होगी। प्रमुख सचिव अवनीश अवस्थी ने विभागीय घोषणाओं के सफल क्रियान्वयन का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम को कैलाश मानसरोवर सेवा समिति के पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने धर्मार्थ कार्य विभाग की ऑनलाइन सेवाओं के पोर्टल का लोकार्पण किया।

घर पहुंचेगा प्रसाद

काशी विश्वनाथः जैसी पूजा वैसी लगेगी दक्षिणा

www.updharmarthkarya.in पर वरिष्ठ नागरिकों की धार्मिक यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण भी हो सकेगा। काशी विश्वनाथ मंदिर में ऑनलाइन पूजा व दान के लिए पंजीकरण भी इसी पोर्टल से करवाया जा सकता है। दक्षिणा पूजा के अनुसार तय की जाएगी। इसमें आरती, रुद्राभिषेक, भोग और शृंगार शामिल है। इसके साथ ही दैनिक अर्चना योजना की विशेष पूजा की भी व्यवस्था है। पूजन के बाद प्रसाद श्रद्धालु के रजिस्टर्ड पते पर भेज दिया जाएगा।

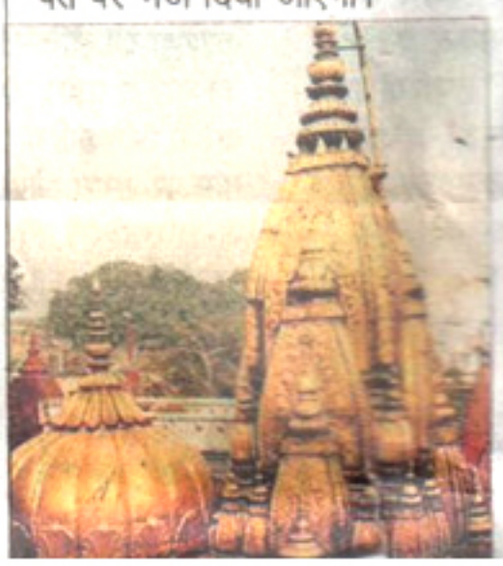

आरती (150 से 4001 रुपये तक) : दोपहर में होने वाली भोग आरती, शाम की सप्तर्षि आरती और रात्रि 9 बजे होने वाली भोग/श्रृंगार आरती के लिए लिए सबसे कम 150 रुपये, सुबह 3 से 4 बजे के बीच होने वाली मंगला आरती के लिए 300 रुपये, अखंड दीपू के लिए एक दिन के लिए 625 रुपये तय किए गए हैं। वहीं, लाख बिल्वार्चना के लिए 4001 रुपये देने होंगे।

रुद्राभिषेक (150 से 10 हजार तक) : एक शास्त्री द्वारा रुद्राभिषेक 150 रुपये, 5 शास्त्रियों वाला 400 रुपये, 11 शास्त्रियों वाला 700 रुपये में होगा। संपन्नता, स्वास्थ्य एवं सुख के लिए होने वाली लघु पूजा के लिए 1200 रुपये चुकाने होंगे। 11 पुरोहितों के जरिए 11 दिन तक चलने वाले महारुद्र जाप का खर्च 10 हजार रुपये आएगा।

भोग (2501 से 6251 रुपये तक): दोपहर भोजन के समय की जाने वाली पूजा को भोग कहते हैं। दक्षिणा से मंदिर के पुरोहितों को भोजन कराया जाएगा। सामान्य दिनों में यह शुल्क 2501 रुपये, सोमवार को 3751 रुपये और सावन सोमवार का शुल्क 6251 रुपये होगा।

शृंगार (2501 से 12625 रुपये): शृंगार के लिए मंदिर शुल्क सामान्य दिनों में 2501 रुपये, पूर्णिमा के दिन 3125 रुपये और सावन के सोमवार के दिन शृंगार शुल्क 12625 रुपये होगा।

दैनिक अर्चना योजना : इसके अंतर्गत भक्त की ओर से तय किए गए दिन पर 20 वर्ष तक हर वर्ष एक दिन विशेष पूजा की जाएगी। इसके लिए 21 हजार रुपये शुल्क देना होगा।